3 (Sem–4/CBCS) HIN HC3

2021

HINDI

(Honours Course)

Paper : HIN–HC–4036

(हिन्दी नाटक एवं एकांकी)

Full Marks : 80

Time : 3 hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions

खण्ड—क

(*अंक* : 40)

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए : 1×6=6

(क) किसी भी भारतीय आचार्य द्वारा दी गई नाटक की एक परिभाषा लिखिए।

(ख) 'अंधेर नगरी' किस विधा का नाटक है?

(ग) कालिदास की दो कृतियों का उल्लेख कीजिए।

(घ) 'विषकन्या' एकांकी के एकांकीकार का नामोल्लेख कीजिए।

(ङ) छाया के अनुसार प्रत्येक पुरुष के लिए स्त्री क्या है?

(च) मीना का पति जयंत क्या काम करता था?

2. निम्नलिखित प्रश्नों के अति संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 2×5=10

(क) भारतेन्दु-युगीन किन्हीं दो हिन्दी नाटककारों का नामोल्लेख कीजिए।

(ख) स्वातंत्र्योत्तर काल में रचित किन्हीं दो हिन्दी एकांकी के नाम लिखिए।

(ग) 'विषकन्या' एकांकी का मूल संदेश क्या है?

(घ) तक्षशिला आकर माधव ने शेखर को क्या सूचना दी थी?

(ङ) 'यह स्वतंत्रता का युग' एकांकी के आधार पर आज की नारी की दो प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : 6×4=24

(क) नाटक की समीक्षा के लिए आवश्यक तत्त्वों पर संक्षेप में विवेचन कीजिए।

(ख) नाटक एवं एकांकी में अंतर स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'अंधेर नगरी' नाटक की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।

(घ) कालिदास को राजधानी जाने के लिए किसने किस तरह प्रेरित किया, लिखिए।

(ङ) 'विषकन्या' एकांकी की कथावस्तु का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

(च) शेखर ने किसके लिए 'भोर का तारा' नामक महाकाव्य लिखा था और आखिर उस महाकाव्य का क्या हुआ?

खण्ड—ख

(*अंक* : 40)

4. हिन्दी नाटक के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

हिन्दी एकांकी के उद्‌भव और विकास पर प्रकाश डालिए।

5. नाट्यशिल्प की दृष्टि से 'अँधेर नगरी' नाटक की विशेषताओं पर आलोकपात कीजिए। 10

अथवा

मल्लिका की चारित्रिक विशेषताओं पर आलोकपात कीजिए।

6. 'भोर का तारा' एकांकी के आधार पर शेखर और माधव के चरित्रों की तुलना कीजिए। 10

अथवा

'यह स्वतंत्रता का युग' एकांकी के आधार पर आधुनिक नारी भावना पर अपना विचार प्रकट कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किसी **एक** कथन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 10

(क) मैं अनुभव करता हूँ कि ग्राम-प्रांतर मेरी वास्तविक भूमि है। मैं कई सूत्रों से इस भूमि से जुड़ा हूँ।

(ख) सुनो जयंत, आज नारी का दृष्टिकोण बदल गया है। वह शादी को अब एक कॉन्ट्रैक्ट मानती है, जब तक भी निभे।

★ ★ ★